'हमें बनाने होंगे बेहतरीन technocrats'

» कैपेबिलिटी बिल्डिंग वर्कशाप का किया गया आयोजन

» Technical education को बेहतर बनानें पर दिया गया जोर

» टेक्निकल एजुकेशन को बेहतर बनाने के सुझाये गुर

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (17 Jan): देश में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में टेक्निकल एजुकेशन का सिनेरियो चेंज हो रहा है. इसलिए हमें बेहतर टेक्नोक्रेट तैयार करने होंगे और क्वालिटी एजुकेशन की तरफ ज्यादा ध्यान देना होगा. क्योंकि, इंडिया में टेक्निकल एजुकेशन में काफी पोटेंशियल है. यह बात थर्सडे को कैपेबिलिटी बिल्डिंग वर्कशाप में प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा राजीव कपूर ने कही.

करनी होगी ज्यादा research

हजरतगंज के क्लार्क अवध होटल में आयोजित वर्कशाप में एक्सपर्ट ने टेक्निकल एजुकेशन को किस तरह से बेहतर किया जाए. इस पर चर्चा की गई. प्रोग्राम में वाइस चांसलर प्रो राहुल खंडाल ने कहा कि हमें टेक्निकल एजुकेशन में ज्यादा रिसर्च की जरुरत है. उन्होंने बताया कि अब हमें पीछे चलने की जरुरत नहीं है. बल्कि खुद ही बेहतर इनोवेशन करने होंगे. ताकि, टेक्निकल एजुकेशन को और बेहतर बनाया जा सके. वर्कशाप में प्रतिकुलपति प्रो वीके सिंह ने भी क्वालिटी एजुकेशन पर अपने विचार प्रस्तुत किए और जल्द से जल्द इस दिशा में कदम बढ़ाने का संकल्प किया.

> **हमें टेक्निकल एजुकेशन में ज्यादा रिसर्च की जरुरत है. हमें बेहतर इनोवेशन करने होंगे.**
> प्रो. राहुल खंडाल
> वीसी

वर्कशॉप में बेहतरीन टैक्नोक्रेट्स पर चर्चा करते गेस्ट्स

आई नेक्स्ट 18/1/013

आई नेक्स्ट 18/1/2013

जीबीटीयू ने शुरू की वर्कशाप, कॉलेज आने-जाने का वक्त पढ़ाई में लगाने की होगी कोशिश

पढ़ाई में तकनीक बचाएगी छात्रों का समय

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। हालिया सर्वे बताते हैं कि भारत के शहरों में रह रहे कॉलेज जाने वाले युवाओं को रोजाना करीब 2 घंटे अपने शिक्षण संस्थान आने जाने में लगाना पड़ रहा है। उनके हाथों में आकाश जैसे टेबलेट होंगे तो वे इस समय में पहले से रिकॉर्डेड लेक्चर्स देख सकेंगे। न केवल ई-बुक्स में क्लास में होने वाले लेक्चर को पहले से पढ़ सकेंगे, बल्कि इंटरनेट के जरिए उन पर त्वरित अध्ययन करके लेटेस्ट जानकारियां लेकर आ सकेंगे।

ऐसे ही विचारों के साथ गुरुवार को जीबीटीयू ने दो दिवसीय क्षमता विकास कार्यशाला का आयोजन किया। विभिन्न संस्थाओं के प्रबंधन और शिक्षण से जुड़े लोग इसमें शामिल हुए। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सचिव एनके सिन्हा ने बताया कि देश में तेजी से बदलती तकनीकी शिक्षा में क्वालिटी को बढ़ाने के लिए विशेष जोर देने की जरूरत है। जीबीटीयू के संबद्ध संस्थानों से अपेक्षा जताई गई कि वे उम्मीद के अनुसार क्वालिटी मेंटेन करने में सहयोग देंगे। उन्होंने बताया कि नेशनल मिशन ऑन एजूकेशन थ्रू आईसीटी में करीब 46 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया गया है ताकि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में आईसीटी के जरिए बेहतर शिक्षा सुविधाएं जुटाई जा सकें। इसमें करीब 60 प्रतिशत राशि तेज इंटरनेट के लिए ज्यादा बैंडविथ जुटाने और बाकी राशि अध्ययन सामग्री तैयार करने व सस्ते कंप्यूटिंग उपकरण तैयार करने में खर्च होगी। संगोष्ठी में जीबीटीयू के वीसी डॉ. आरके खांडल भी मौजूद थे।

जीबीटीयू की कार्यशाला को संबोधित करते सचिव एनके सिन्हा।

एडवांस होगा आकाश-3

एनके सिन्हा ने बताया कि देश करोड़ों विद्यार्थियों तक सस्ता व बहु उपयोगी प्रोडक्ट पहुंचाना सरकार का लक्ष्य है, जिसे ध्यान में रखते हुए आकाश टेबलेट तैयार किया गया। यह आकाश का ही असर है कि दुनिया में करीब 300 डॉलर में बिक रहे टेबलेट व कंप्यूटिंग उपकरण अब 100 डॉलर तक सस्ते होने लगे हैं। उन्होंने बताया कि आकाश-3 की तकनीक को और एडवांस किया जाएगा जिससे छात्रों को मदद मिलेगी।

अमर उजाला 18/1/013